मैथिली

शास्त्री प्रथम वर्ष

तृतीय पत्र

पाठ्यक्रम फलितांश –

(1) किशुन रचनावली-किशुनजी

काव्यक माध्यमसँ समाजक हर पहलुक चित्रण भेटत।

(2) रेखाचित्र- उमानाथ झा,

छोट-छोट कथाक माध्यमसँ छात्रके पढ़बाक अभिरूचि जागत।

(3) पंचवटी- लख्मीपति सिंह

एहि कथाक माध्यमसँ छात्रलोकनिकै समाजक विभिन्न तत्वक दिग्दर्शन होयतनि।

(4) काव्य-वाटिका-डॉ० रमण झा

एहि कथा संग्रह मे प्रेरणा दायक कथा संग्रहित अछि। ई कथा छात्र लोकिन के अत्यन्त उपयोगी अछि

(5) स्वातन्त्रय स्वर- सम्पादक (चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर')

देशक प्रति कवि लोकनिक राष्ट्रीय भावना दृष्टिगोचर होइछ।